https://www.upboardonline.com

वार्षिक परीक्षा, 2018–19

रसायन विज्ञान

समय : **कक्षा–11** **पूर्णांक : 70**

नोट :

(1) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

(2) सभी प्रश्नों के अंक उनके सामने अंकित हैं।

1. निम्न के सही विकल्प को पहचानकर उत्तर पुस्तिका पर लिखो- (प्रत्येक 1 अंक)

(क) O_3 तथा O की आक्सीकरण संख्या है-

(1) -1 (2) 0 (3) +1 (4) +2

(ख) निम्न में किसका आकार सबसे बड़ा है-

(1) $N^{......}$ (2) $O^{......}$

(3) $F^{......}$ (4) इनमें से कोई नहीं

(ग) Al के संयोजी कोश में इलेक्ट्रॉन है-

(1) 2 (2) 4 (4) 0 (4) 3

(घ) निम्न मे किसकी विसरण दर सबसे कम होगी-

(1) NH_3 (2) CH_4 (3) O_2 (4) $_2$

(ङ) मोलर विलयन की मोलरता होगी-

(1) 10 मोल/ली. (2) 100 मोल/ली.

(3) 1 मोल/ली. (4) 2 मोल/ली.

(च) पृष्ठ तनाव ताप बढ़ाने पर -

(1) बढ़ता है (2) अपरिवर्तित रहता है

(3) घटता है (4) कोई नहीं

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए : 1

(i) जंगल के बीच (ii) रूपक रहस्य

(iii) ग्यारह वर्ष का समय (iv) कहनी-अनकहनी

(ग) 'मेरी असफलताएँ' किस विधा की रचना है ? 1

(घ) अतीत के चल चित्र के लेखक का नाम लिखिए। 1

(ङ) किसी एक गद्यगीत लेखक का नाम लिखिए। 1

(क) रीतिकाल की दो विशेषताएँ लिखिए। 2

(ख) प्रगतिवाद की दो प्रवृत्तियाँ लिखिए। 2

(ग) 'प्रियप्रवास' के रचयिता का नाम लिखिए। 1

निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

(क) भारत के इतिहास में बुद्धदेव, महावीर स्वामी, नागार्जुन, शंकराचार्य, कबीर, नानक, राजा राम मोहनराय, स्वामी दयानन्द और महात्मा गाँधी में ही सुधारकों की गणना समाप्त नहीं होती। सुधारकों का दल नगर-नगर और गाँव-गाँव में होता है। यह सच है कि जीवन में नये-नये क्षेत्र उत्पन्न होते जाते हैं और नये-नये सुधार हो जाते हैं। न दोषों का अन्त है और न सुधारों का। जो कभी सुधार थे, वे ही आज दोष हो गये हैं और उन सुधारों का फिर नवसुधार किया जाता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) दोषों का अन्त क्यों नहीं होता है ?

(ख) मृत्यु शायद फिर भी श्रेष्ठ है, बनिस्बत इसके कि हमें अपने गुणों को कुंठित बनाकर जीना पड़े। चिन्तादग्ध व्यक्ति समाज की दया का पात्र है, किन्तु ईर्ष्या से जला-भुना आदमी जहर की चलती-फिरती गठरी के समान है, जो हर जगह वायु को दूषित करती फिरती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) ईर्ष्यालु और चिन्ताग्रस्त आदमी में क्या अन्तर है ?

निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1+4+1=6

(क) ऊधौ मन न भये दस बीस।

एक हुतौ सो गयो स्याम सँग, कौ अवराधै ईस।।
इन्द्री शिथिल भई केसव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।।
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारे नंद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस।।

(ङ) (i) 'जयसुभाष' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।

(ii) 'जयसुभाष' के प्रधान पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की दानशीलता का उल्लेख कीजिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' के षष्ठ सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।